साहस सच दिखाने का
भारत दर्शन
सबसे तेज-सबसे अलग खबरें, अब एक क्लिक पर
www.bharatdarshannews.com

FARIDABAD

अग्रवाल महाविद्यालय बल्लबगढ़ में राष्टीय शिक्षा नीति पर कार्यशाला का आयोजन

(Kiran Kathuria) www.bharatdarshannews.com Tuesday,16 July , 2019)

Faridabad News, 16 july 2019 ; देश बदलना है तो शिक्षा को बदलो" इस उदेश्य से अग्रवाल महाविद्यालय बल्लबगढ़ में एक कार्यशाला आयोजित की गई। जिसका विशय था राष्टीय शिक्षा नीति। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं विषेशज्ञ वक्ता के रूप में अतुल कोठारी (राष्टीय सचिव, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली) उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. डॉ. दिनेश कुमार गुप्ता (कुलपति जे.सी.बोस एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद) ने की थी। अग्रवाल महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. कृश्णकान्त गुप्ता के संरक्षण में एवं संयोजिका किरण आनन्द के मार्गदर्शन में यह कार्यशाला आयोजित की गई। इस अवसर पर डॉ. आलोक दीप (अध्यक्षा - महिला कल्याण समीति) एवं महाविद्यालय के समस्त वरिष्ठ प्रवक्तागण तथा विद्यार्थी उपस्थित थे। इसके साथ-साथ अग्रवाल महाविद्यालय बल्लबगढ़ के समर्पण योग क्लब के तत्वावधान में छात्रा सम्मान समारोह भी सम्पन्न हुआ जिसके अन्तर्गत विश्व कीर्तिमान धारकों को सम्मानित किया गया। यह योग क्लब प्राचार्य डॉ. कृश्णकान्त गुप्ता की प्रेरणा से संयोजक डॉ. बाँके बिहारी के मार्गदर्शन में चलाया जा रहा है और विश्व कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।

दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के पश्चात् महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. कृश्णकान्त गुप्ता ने गुरु पूर्णिमा की बधाई देते हुए समस्त अतिथियों का स्वागत किया और गुरू की महत्ता पर प्रकाश डाला। कार्यशाला के विशय की प्रासंगिकता पर प्रकाष डालते हुए वर्तमान परिप्रेक्ष्य में शिखा नीति में बदलाव और भारतीय संस्कृति केन्द्रित शिक्षा पर भी अपने विचार प्रस्तुत किये। इस कार्यशाला में मुख्य प्रवक्ता अतुल कोठारी ने आगामी राष्टीय शिक्षा नीति के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए विस्तृत रूप से चर्चा की और नई शिक्षा नीति के तहत प्राप्त सुझावों पर क्रमषः विचार विमर्श किया और कहा कि नई शिक्षा नीति में सुझाव तो बहुत हैं लेकिन उसमें व्यवहारिकता लानी होगी और शिक्षा को समाज के साथ जोड़ना होगा। उन्होंने बताया कि सन् 1968 में पहली शिक्षा नीति और 1986 में दूसरी शिक्षा नीति आई लेकिन धरातल पर कोई कार्य नहीं हुआ प् आज का शिक्षित समाज भी नई शिक्षा नीति से जागरूक नहीं है

साथ ही नई शिक्षा नीति निविरोध है उस पर सभी प्राध्यापकों को 31 जुलाई 2019 तक अपने सुझाव देने चाहिये। उन्होंने बताया कि नई शिक्षा नीति में शिक्षकों के लिए अनेक अहम बातें कही गई हैं जैसे तदर्थ (।कीवब) को समाप्त किया जाये और शिक्षा में प्रशासनिक पद भी शिक्षकों को दिये जायें। मानव संसाधन मंत्रालय को शिक्षा मंत्रालय के नाम से घोशित किया जाये साथ ही उन्होंने भी बताया कि विद्यालय एवं महाविद्यालय के विद्यार्थियों में रचनात्मक, सृजनात्मकता युक्त शिक्षा का प्रावधान हो। रटने की प्रक्रिया दूर हो, बच्चों में नैतिकता का ज्ञान और सामाजिक दायित्वों का बोध होना चाहिए प् सबसे अधिक जोर नई शिक्षा नीति में व्यवहारिक शिक्षा पर दिया गया है, अधिक से अधिक प्रैक्टिकल हों प् सभी राज्यों में दो बार बोर्ड की परीक्षाओं का प्रावधान हो और राश्ट्रीय स्तर पर केवल महाविद्यालयों का ही नहीं विद्यालयों का मूल्यांकन भी होना चाहिए प् उच्च शिक्षा में स्वायत्तता होनी चाहिए साथ ही उन्होंने महाविद्यालयों में पाठ्यक्रम और शोध पर भी चर्चा की और कहा कि प्राथमिक कक्षाओं से ही विद्यार्थी को शोध के प्रति प्रोत्साहित करना चाहिए प् अंत में उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति तभी सफल हो सकती है जब सरकार व समाज का समन्वय हो। कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. दिनेष ने श्री अतुल कोठारी के अतुल्य प्रयासों की सराहना करते हुए सभी प्रबुद्ध वर्ग को अपने सुझाव देने के लिए प्रोत्साहित किया साथ ही विद्यार्थियों को प्रतिभागिता के लिए प्रोत्साहित किया। मुख्य अतिथि के कर कमलों से महाविद्यालय पत्रिका "स्रोत" का भी विमोचन किया गया प् जिसके अन्तर्गत महाविद्यालय के विद्यार्थियों की रचनात्मकता का परिचय मिलता है। इस अवसर पर अग्रवाल महाविद्यालय की शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के साथ अनुबन्ध भी हो गया है जिसके अन्तर्गत महाविद्यालय में "व्यक्तित्व विकास और चरित्र-निर्माण" विशय पर सर्टिफिकेट कोर्स आरम्भ किया जाएगा प् जिसमें न्यास द्वारा निर्मित पाठ्यक्रम पाठ्यक्रम पढ़ाया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अतुल कोठारी, कुलपति प्रो. दिनेष गुप्ता एवं प्राचार्य डॉ. कृश्णकान्त गुप्ता द्वारा समर्पण योग कलब के 27 योग साधकों जिन्होंने आयुश मंत्रालय के तत्वावधान में आयोजित परीक्षा पास करके योग प्रशिक्षक की उपाधि प्राप्त की है, साथ ही महाविद्यालय की छात्रा कु. कोमल और कु. निषा कक्षा बी.कॉम ने योग के क्षेत्र में नए रिकार्ड कायम करके विश्व कीर्तिमान स्थापित किए, उन सभी को सम्मानित किया प्